Dr. S. S. Pandey

TOPIC

भारत में किसान आत्महत्या

Farmers' Suicides in India

**भारत में किसान आत्महत्या**

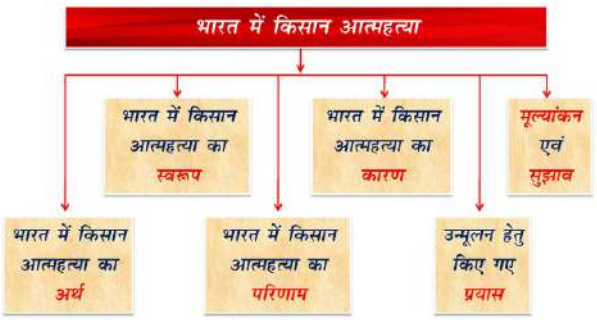

- भारत में किसान आत्महत्या का अर्थ
- भारत में किसान आत्महत्या का स्वरूप
- भारत में किसान आत्महत्या का परिणाम
- भारत में किसान आत्महत्या का कारण
- उन्मूलन हेतु किए गए प्रयास
- मूल्यांकन एवं सुझाव

## भारत में किसान आत्महत्या का अर्थ

**Meaning of Farmers' Suicides in India**

मुख्यतः 1991 के बाद भारत के किसानों द्वारा उनके पेशा में उत्पन्न आपातकालीन परिस्थितियों से तनाव में, उनके द्वारा की जाने वाली आत्महत्या– को किसान आत्महत्या की संज्ञा दी जाती है।

## भारत में किसान आत्महत्या की प्रकृति

**Nature of Farmers' Suicides in India**

1. 1991 के बाद की स्थिति का परिणाम
2. NCRB की रिपोर्ट 2022 के अनुसार 2021 में 10,881 किसानों ने आत्महत्या की है
3. प्रतिवर्ष 10,000 किसान आत्महत्या दर्ज (2009 में सर्वाधिक 17,368 किसान आत्महत्या दर्ज)
4. भारत में कुल आत्महत्या का केवल 5 राज्यों में सर्वाधिक– महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और कर्नाटक
5. 1995 से 2015 तक महाराष्ट्र में सर्वाधिक 60,750 आत्महत्या– (केवल 2015 में महाराष्ट्र में 3,228 किसान आत्महत्या)
6. जनवरी 2023 से अगस्त 2023 तक (केवल 8 महिनों में) महाराष्ट्र में 1809 किसानों ने आत्महत्या की जिनमें 50% से अधिक कपास उत्पादक क्षेत्र विदर्भ से हैं

Dr. S. S. Pandey

## NCRB Report (Accidental Deaths & Suicides in India) - September, 2020

एनसीआरबी की रिपोर्ट, 2020 के अनुसार– पिछले वर्ष (2019) कुल 42480 खेतिहरों और दिहाड़ी मजदूरों ने आत्महत्या की हैं, जो देश में होने वाली कुल आत्महत्याओं का 30% से ज्यादा है और वर्ष 2018 की तुलना में इसमें 6% की वृद्धि हुई है। इनमें 10281 खेतिहर (किसान और खेत मजदूर दोनों) थे और उनकी आत्महत्याओं में पूर्व वर्ष (2018-10357) की तुलना में कमी आई है।

इसी प्रकार, दिहाड़ी मजदूरों की आत्महत्याओं में 8% की वृद्धि हुई है और जिस प्रकार गांवों से शहरों की ओर विस्थापन की प्रक्रिया को सुनियोजित ढंग से बढ़ावा दिया गया है, यह मानने के पर्याप्त कारण है कि आत्महत्या करने वाले इन दिहाड़ी मजदूरों में से अधिकांश निकट अतीत के किसान और खेत मजदूर ही थे।

देश में खेती-किसानी में लगे 10281 खेतिहरों की आत्महत्या का अर्थ है, प्रतिदिन औसतन 28 से ज्यादा किसान और खेत मजदूर आत्महत्या कर रहे हैं।

किसान आत्महत्याओं में पांच शीर्षस्थ राज्य हैं : महाराष्ट्र, कर्नाटक, आंध्रप्रदेश-तेलंगाना, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़; जहाँ कुल किसान आत्महत्याओं का आधे से ज्यादा कई वर्षों से लगातार दर्ज हो रहा है। किसानों की कुल होने वाली आत्महत्याओं का 38.2% महाराष्ट्र में, 19.4% कर्नाटक में, 14.9% आंध्र प्रदेश-तेलंगाना (संयुक्त) में, 7.8% मध्य प्रदेश में, 4.9% छत्तीसगढ़ में और 2.9% पंजाब में हुई हैं।

## भारत में किसान आत्महत्या का परिणाम

## Result of Farmers' Suicides in India

1. स्वयं किसान पर दुष्प्रभाव
2. किसानों के परिवार पर दुष्प्रभाव
3. कृषक समुदाय पर दुष्प्रभाव
4. कृषि कार्य से पलायान (2001 से 2016 मार्च तक 96 लाख किसान कम हुए हैं)

## भारत में किसान आत्महत्या के कारण

## Causes for Farmers' Suicides in India

1. कृषि का बाजारीकरण (Commercialisation of Agriculture)–
   फलतः नगदी खेती की अभिप्रेरणा में वृद्धि
2. उदारीकरण एवं वैश्वीकरण (Liberalization and Globalization)–
   फलतः बहुराष्ट्रीय कंपनियों के बीज, कीटनाशक, उर्वरक आदि से कृषि लागत में वृद्धि

3. आर्थिक सुधार (Economic Reform) – फलत: कृषि सब्सिडी में कटौती
फलत: कृषि लागत में वृद्धि

4. असंतुलित कृषि नीति (Unbalanced Agricultural Policy)
और उपभोक्ता– उद्योगों के आगे किसानों के हितों की अनदेखी

5. आधारभूत अवसंरचनाओं (Basic Infrastructures) (APMC, e-NAM, MSP, FCI आदि) की अपर्याप्तता

6. समुचित बाजार का अभाव एवं बिचौलिए पर निर्भरता (Lack of Proper Market and Dependence on Middlemen) –
फलत: किसान को अपने उत्पादों का उचित मूल्य न मिल पाना (केवल उत्तर प्रदेश के चीनी मिलों पर किसानों का 8 हजार करोड़ का बकाया)

7. उदारीकरण एवं खुली प्रतिस्पर्धा और अन्य देशों से भारत में सस्ते खाद्यान्न का आगमन–
फलत: खाद्यान्न के मूल्य में कमी

8. किसानों में गरीबी
(प्रति किसान परिवार/माह आय 2400 रुपये मात्र) तथा ऋणग्रस्तता (50% किसान कर्ज में – NSSO)

9. मानसून आधारित कृषि (61%)

10. कृषि भूमि का अधिग्रहण

## किसान आत्महत्या को दूर करने हेतु किए गए उपाय

## Measures Taken to Eliminate Farmers' Suicides

A. वित्तीय समावेशन (Financial Inclusion) का प्रयास

1. सस्ते ब्याज दर पर कृषि ऋण उपलब्ध कराना तथा इस प्रक्रिया को सरल बनाना

2. ऋण माफी योजना एवं आपातकालीन अनुदान योजना

- मोदी सरकार द्वारा किसान आत्महत्या प्रभावित 5 राज्यों के लिए 350 अरब रुपया का अनुदान
- 2018 में चुनाव जीतने के बाद छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, राजस्थान सरकार द्वारा किसानों के कर्ज की माफी योजना की शुरूआत

3. 19 दिसम्बर, 2018 में नीति आयोग द्वारा जारी 'New India 2022' में किसानों की आय दोगुनी करने का लक्ष्य

4. 2 जून 2019- 'किसान सम्मान निधि योजना' के तहत सभी किसानों को सलाना 6000 रुपये देने की घोषणा साथ ही किसानों के लिये पेंशन योजना की घोषणा
(प्रधानमंत्री किसान मानधन योजना)

5. किसान क्रेडिट कार्ड योजना (KCC - 1998)
6. किसानों की सुरक्षा हेतु बीमा योजना
   - बागवानी, वृक्षारोपन, पुष्प खेती बीमा योजना
   - कृषि पम्प बीमा योजना
   - पशु बीमा योजना

   (प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना - 2016; पशुधन बीमा योजना - 2005)

नोट:- प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में मार्च 2023 तक 36 करोड़ किसानों को जोड़ा गया

B. कृषि विकास हेतु अवसंरचनात्मक सुधार (Infrastructural Reforms for Agricultural Development)

(जैसे- राजीव गाँधी विद्युतीकरण योजना, नलकुप के लिए आर्थिक सहायता योजना, PM कुसुम योजना-2019 आदि)

C. विभिन्न मदों में सब्सिडी दिया जाना (Providing Subsidy on Various Items)

(स्माम किसान योजना-2022)

D. कृषि से संबंधित नई प्रौद्योगिकी का विकास (Development of New Technology Related to Agriculture)

1. नवीन फसलों की खेती को प्रोत्साहन
2. मिट्टी परीक्षण (मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना-2015)
3. जैविकीय क्रांति (जैविक खेती प्रोत्साहन योजना-2005)

E. अन्य प्रयास (Other Efforts)

1. डेयरी उद्यमीता विकास योजना, 2005
2. ग्रामीण विकास हेतु विभिन्न विकास योजनाओं का क्रियान्वयन
3. ई-चौपाल, किसान कॉल सेंटर आदि के रूप में प्रयास
4. नाना पाटेकर, अक्षय कुमार, Tata Group आदि द्वारा पीड़ितों को सहायता

5. 2022 तक केन्द्र सरकार द्वारा किसानों की आय दोगुनी करने का लक्ष्य
6. समय-समय पर किसान आंदोलन एवं इनके द्वारा किए गए प्रयास
7. समय-समय पर सर्वोच्च न्यायालय द्वारा किसान आत्महत्या के बारे में केन्द्र सरकार को निर्देश

## मूल्यांकन एवं सुझाव

## Evaluation and Suggestions

A. सफलता के बिन्दु- उपरोक्त प्रयासों से काफी हद तक समस्या समाधान संभाव हुआ है तथा किसान आत्महत्या में कमी आयी है-

- 2012 के 13754 से घटकर 2021 में 10881 (NCRB Report 2022)

B. परन्तु हम अभी भी अपेक्षित लक्ष्य से दूर है और वास्तविक किसान आत्महत्या में वृद्धि अभी भी जारी है–

- 2014– 12360 किसान आत्महत्या में 5650 किसान (बाकि 6710 कृषि मजदूर) थे, जो 2015 में बढ़कर 8007 किसान (बाकि 4595 कृषि मजदूर– कुल 12602) हो गए– 42% बढ़ोत्तरी (2019 में 5957 किसान तथा 4324 कृषि मजदूर– कुल 10281 किसान आत्महत्या)

## किसान आत्महत्या रोकने हेतु सुझाव

## Suggestions to Prevent Farmers' Suicides

A. तत्कालिक सुझाव (Immediate Suggestion)

1. तत्काल मुवावजा
2. प्रभावित लोगों को मनोचिकित्सकीय समर्थन
3. मजबूत सुरक्षातंत्र का निर्माण और किसान के उत्पादों का संरक्षण
4. एक ऐसे सूचना तंत्र का विकास जिसमें 24 x 7 कृषि एवं आपदा संबंधी सूचनाओं का प्रसारण

B. दीर्घकालिक सुझाव (Long Term Suggestions)

1. कृषि नीति का पुर्नमूल्यांकन एवं इसमें संतुलन की स्थापना
2. आधारभूत अवसंरचनाओं का विकास तथा विकसित अवसंरचनाओं का समुचित क्रियान्वयन
3. वाणिज्यिक कृषि के लिए विशेष सुरक्षा व्यवस्था
4. अनुपूरक कृषि गतिविधियों (पशुपालन, मुर्गी पालन, दुग्ध उत्पादन आदि) एवं फसल के विविधिकरण को बढ़ावा
5. जैविकीय खेती को अधिक से अधिक प्रोत्साहन और नकली खाद्य विक्रेता को सख्त सजा
6. ज्यादा ब्याज वसुलने वाले साहूकारों एवं विचौलियों की भूमिका की समाप्ति
7. समग्र कृषि बीमा योजना का विकास और सरकारी सब्सिडी में वृद्धि एवं विस्तार सभी किसानों तक (SC - कृषि ऋण देने से पहले फसल बीमा आवश्यक हो)
8. कृषि से संबंधित तीनों नये कानून को किसानों के हित में संतुलित किया जाए
   - ✓ Farmers Produce Trade & Commerce (Promotion & Facilitation) Ordinance 2020
   - ✓ The Farmers (Empowerment & Protection) Agreement on Price Assurance and Farm Services Ordinance 2020
   - ✓ The Essential Commodities (Amendment) Ordinance 2020

### महत्वपूर्ण तथ्य / Important Facts

1. भारत की लगभग 70% जनसंख्या कृषि पर निर्भर
2. भारत में कुल कार्यबल का 54.6% आबादी कृषि एवं उससे संबंधित कार्यों में लगी हुई है
3. 2019-20 में देश के GDP ने कृषि और उससे संबद्ध क्षेत्र की भागीदारी 16.5% रही है
4. भारत में कुल 14 करोड़ किसान हैं
5. भारत में कुल किसानों का 85% छोटे किसान (2 हेक्टेयर से कम खेत वाले) हैं

### संभावित प्रश्न

- भारत में किसान आत्महत्या पर चर्चा कीजिए और इसके लिए उत्तरदायी कारणों को सविस्तार प्रतिपादित कीजिए।
- "हाल के वर्षों में किसान आत्महत्या में हो रही वृद्धि विकासजनित समस्या है, जिसका समाधान विकास में ही निहित है।" चर्चा कीजिए।
- किसान आत्महत्या हमारे कृषि विकास संबंधी नीति के दुष्परिणाम है। इससे आप कहाँ तक सहमत है? किसान आत्महत्या को रोकने हेतु हमें अपनी कृषि नीति में क्या परिवर्तन किया जाना चाहिए? उत्तर दीजिए।